केवल अभ्यास हेतु नमूना प्रश्न पत्र
Sample Question Paper for Practice only
हायर सेकेण्डरी परीक्षा - 2025
Higher Secondary Examination-2025
विषय – हिन्दी
विषय कोड– 051
Subject - Hindi

Total Question	Total Printed Pages	Time	Maximum Marks
23	4	3 hours	80

निर्देश :-

i. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |
ii. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उसके सम्मुख अंकित हैं |
iii. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं | प्रत्येक उप-प्रश्न पर 1 अंक निर्धारित है |
iv. प्रश्न क्रमांक 6 से 15 तक कुल 10 प्रश्न हैं | प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निर्धारित है | शब्द सीमा लगभग 30 शब्द है |
v. प्रश्न क्रमांक 16 से 19 तक कुल 4 प्रश्न हैं | प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक निर्धारित है | शब्द सीमा लगभग 75 शब्द है |
vi. प्रश्न क्रमांक 20 से 23 तक कुल 4 प्रश्न हैं | प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक निर्धारित है | शब्द सीमा लगभग 120 शब्द है |
vii. प्रश्न क्रमांक 6 से 23 तक सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |

---

1. सही विकल्प का चयन कर लिखिए - **(1x6=6)**

i. हरिवंशराय बच्चन की दस खण्डों में प्रकाशित रचना है –
(अ) मधुशाला (ब) मधुकलश (स) निशा निमंत्रण (द) बच्चन ग्रन्थावली

ii. शृंगार, शांत एवं करुण रस में विशेष रूप से पाया जाता है -
(अ) ओज गुण (ब) माधुर्य गुण (स) प्रसाद गुण (द) अवगुण

iii. 'प्रयाग महिला विद्यापीठ' की स्थापना की थी -
(अ) बच्चन जी ने (ब) महादेवी वर्मा जी ने (स) जैनेन्द्र जी ने (द) रेणु जी ने

iv. शब्द युग्म के प्रकार हैं –
(अ) दो (ब) चार (स) छः (द) आठ

v.'जूझ' पाठ की विधा है –
(अ) कहानी (ब) संस्मरण (स) निबन्ध (द) आत्मकथात्मक उपन्यास

vi. समाचार लेखन का प्रवेश द्वार माना जाता है –
(अ) इंट्रो को (ब) बॉडी को (स) शीर्षक (द) समापन

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कर लिखिए – **(1x6=6)**

i. 'पतंग' कविता में मृदंग शब्द का अर्थ ----------है | (नगाड़ा/ढोलक की तरह एक बाजा)

ii. सहृदय के हृदय में स्थित अस्थायी भावों को ----------भाव कहते हैं । (संचारी/स्थायी)

iii. 'बाजार दर्शन' पाठ में ----------की चर्चा की गई हैं | (ग्राहकों/साहूकारों)

iv. 'गुरुत्वाकर्षण' एक ----------शब्द है | (क्षेत्रीय /तकनीकी)

v. यशोधर बाबू का तीसरा बेटा स्कॉलरशिप लेकर ----------चला गया | (अमेरिका/जापान)

vi. रेडियो नाटक में ----------नहीं होते हैं | (दृश्य/संवाद)

3. निम्नलिखित कथनों के समक्ष सत्य या असत्य लिखिए – **(1x6=6)**

i 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में मिडिया पर कटाक्ष किया गया है |
ii. बिम्ब सार्वभौमिक होते हैं |
iii. धर्मवीर भारती ने 'काले मेघा पानी दे' पाठ में वानर सेना का वर्णन किया है |
iv. विज्ञापन की भाषा सरल होनी चाहिए |

v. 'अतीत में दबे पांव' पाठ के आधार पर अजायबघर में तैनात व्यक्ति का नाम मोहम्मद नवाज़ था |
vi. निरक्षरों के लिए मुद्रित माध्यम बहुत उपयोगी होते हैं |

4. सही जोड़ी का मिलान कर लिखिए – **(1x7=7)**

स्तम्भ (अ)	**स्तम्भ (ब)**
i. बात सीधी थीं पर	(क) रुबाइयाँ
ii. ढोलक की आवाज़	(ख) मुर्दों का टीला
iii. राजभाषा	(ग) बिहारी सतसई
iv. उर्दू फ़ारसी छन्द	(घ) गोवा में
v. मुअनजो-दड़ो का अर्थ	(च) कोई दूसरा नहीं
vi. भारत का पहला छापाखाना	(छ) संजीवनी शक्ति का काम
vii. रीतिकाल की प्रतिनिधि रचना	(ज) सरकारी कामकाज की भाषा

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए – **(1x7=7)**

i. कवि उमाशंकर जोशी के अनुसार बीज किस रूप में अंकुरित होता है ?
ii जहाँ उपमेय को उपमान से भी श्रेष्ठ बताया जाए, वहाँ कौन –सा अलंकार होता है ?
iii. लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कबीर के अतिरिक्त किस कवि को अनासक्त योगी कहा है ?
iv. निबन्ध किसकी कसौटी हुआ करता है ?
v. शब्दों के सार्थक समूह को क्या कहते हैं ?
vi. यशोधर बाबू सचिवालय में किस पद पर कार्यरत थे ?
vii. घटनास्थल के किसी खबर के सीधे प्रसारण को क्या कहते हैं ?

6. द्विवेदी युगीन काव्य की कोई - दो विशेषताएँ/ प्रवृत्तियाँ लिखिए। **(2)**

अथवा

छायावादी काव्य की कोई - दो विशेषताएँ/ प्रवृत्तियाँ लिखिए।

7. 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता में पक्षी तो लौटने को विकल है, परन्तु कवि में उत्साह नहीं है | ऐसा क्यों ? **(2)**

अथवा

'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर काव्य रचना के सन्दर्भ में 'अंधड़' और 'बीज' क्या है ? लिखिए |

8. प्रबन्ध काव्य और मुक्तक काव्य में कोई - दो अंतर लिखिए | **(2)**

अथवा

विभाव और अनुभाव में कोई - दो अंतर लिखिए |

9. सांगरूपक अलंकार के लक्षण और एक उदाहरण लिखिए | **(2)**

अथवा

सोरठा छन्द के लक्षण और एक उदाहरण लिखिए |

10. हिन्दी निबन्ध के विकास को कितने कालों में विभाजित किया गया है ? नाम लिखिए | **(2)**

अथवा

शुक्ल युग के निबन्ध की कोई – दो विशेषताएँ लिखिए |

11. महादेवी वर्मा ने स्वयं व भक्तिन के मध्य किस सम्बन्ध को नकारा है ? लिखिए | **(2)**

अथवा

'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए कि ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ?

12. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए - **(2)**

i. एक चाय का प्याला लाओ |
ii. उसके सामने एक गहरी समस्या है |

अथवा

निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कर पुन: लिखिए –

i. मोहन पुस्तक पढ़ रहा है | (प्रश्नवाचक वाक्य)
ii. वह भोजन करके विद्यालय जाता है | (संयुक्त वाक्य)

13. राष्ट्रभाषा की कोई-दो विशेषताएँ लिखिए | **(2)**

अथवा

निम्नलिखित निपात शब्दों का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य बनाकर लिखिए –
i. तक ii. केवल

14. यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते है | ऐसा क्यों ? लिखिए | **(2)**

अथवा

स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक आनंद यादव के मन में कैसे पैदा हुआ ?

15. 'इंटरनेट पत्रकारिता' की लोकप्रियता के कोई –दो कारण लिखिए | **(2)**

अथवा

'विशेष लेखन' से क्या आशय है ? लिखिए |

16. तुलसीदास **अथवा** सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए – **(3)**
i. दो रचनाएँ ii. भावपक्ष – कलापक्ष iii. साहित्य में स्थान

17. जैनेन्द्र कुमार **अथवा** धर्मवीर भारती की साहित्यिक विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए – **(3)**
i. दो रचनाएँ ii. भाषा-शैली iii. साहित्य में स्थान

18. 'संयम ही सदाचार है' विषय का भाव पल्लवन कीजिए | **(3)**

अथवा

अपने अध्ययन के सम्बन्ध में पिता और पुत्र के मध्य हुए संवाद को प्रत्येक के तीन – तीन वाक्य लिखिए |

19. निम्नलिखित अपठित काव्यांश **अथवा** गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(3)**

गिरिराज हिमालय से भारत का कुछ ऐसा ही नाता है।
इतनी ऊँची इसकी चोटी कि सकल धरती का ताज यही।
पर्वत पहाड़ से भरी धरा पर केवल पर्वतराज यही ॥
अंबर में सिर, पाताल चरन
मन इसका गंगा का बचपन
तन वरन-वरन मुख निरावरन
इसकी छाया में जो भी हैं, वह मस्तक नहीं झुकाता है।
गिरिराज हिमालय से भारत का कुछ ऐसा ही नाता है॥

प्रश्न - i. उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
ii. कवि ने सकल धरती का ताज किसे और क्यों कहा है?
iii. पर्वतराज का 'सिर' और 'चरन' कहाँ पर हैं?

अथवा

जीवन और जगत को सुखी और शांत बनाने के लिए माधुर्य से अधिक लाभदायक वस्तु और क्या हो सकती है? श्रोता और वक्ता दोनों को आनंद विभोर कर देने वाला यह मधुर भाषण समाज की पारस्परिक मान- मर्यादा, प्रेम- प्रतिष्ठा और श्रद्धा- विश्वास का आधार स्तंभ है, इनके अभाव में समाज कलह, ईर्ष्या द्वेष और वैमनस्य का घर बन जाता है । मधुर बोलने वाले मनुष्य का समाज में आदर होता है । मधुरभाषी के मुख से निकला हुआ एक- एक शब्द सुनने वाले का जी लुभाता है। ऐसा लगता है मानो उसके मुँह से फूल झड़ रहे हों। मीठे वचन सुनने वाले को ही आनंद नहीं आता बल्कि वक्ता भी आत्मा का आनंद अनुभव करता है । वक्ता को एक विशेष लाभ यह है कि उसके मन की अंहकारी, दंभपूर्ण और गौरवपूर्ण भावनाएँ अपने आप ही समाप्त हो जाती हैं। अहंकारी व्यक्ति मधुर भाषी हो सकता है। मधुर वाणी से मनुष्य में नम्रता, शिष्टता, सहृदयता आदि गुणों का उदय होता है। जिनसे जीवन प्रकाशपूर्ण और शांत बन जाता है । क्रोध उसके पास नहीं आता । मधुर वाणी एक अनमोल वरदान है।

प्रश्न – i. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए |
ii. मधुर बोलने से क्या लाभ है ?
iii. मधुर वचन सुनने से क्या –क्या प्रतिक्रिया होती है ?

20. निम्नलिखित काव्यांश का संदर्भ-प्रसंग एवं काव्य सौन्दर्य सहित भावार्थ लिखिए - **(4)**

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो।

अथवा

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी

21. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ –प्रसंग एवं विशेष सहित व्याख्या लिखिए – **(4)**

छोटे कद और दुबले शरीरवाली भक्तिन अपने पतले ओठों के कोनों में दृढ़ संकल्प और छोटी आँखों में एक विचित्र समझदारी लेकर जिस दिन पहले-पहले मेरे पास उपस्थित हुई थी तब से आज तक एक युग का समय बीत चुका है। पर जब कोई जिज्ञासु उससे इस संबंध में प्रश्न कर बैठता है, तब वह पलकों को आधी पुतलियों तक गिराकर और चिंतन की मुद्रा में ठुड्डी को कुछ ऊपर उठाकर विश्वास भरे कंठ से उत्तर देती है - 'तुम पचै का का बताइ -यहै पचास बरिस से संग रहित है।'

अथवा

अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर ज़मीन में क्यारियाँ बना कर फेंक देता है। उसे बुवाई कहते हैं। यह जो सूखे हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है। यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानीवाले बादलों की फसल आ जाएगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है।

22. सड़कों की दुर्दशा पर खेद व्यक्त करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष को आवेदन - पत्र लिखिए | **(4)**

अथवा

छात्रावास में रहकर अपनी पढ़ाई की संतोषजनक जानकारी देते हुए अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए |

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर रुपरेखा सहित सारगर्भित निबंध लिखिए – **(4)**

i. विद्यार्थी जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्त्व
ii. वृक्ष रहेंगे: हम रहेंगे
iii. मानव जीवन की प्रगति में कम्प्यूटर
iv. पुस्तकालय का महत्त्व
v. चंद्रयान 3: भारत की एक बड़ी उपलब्धि

---------- 000----------